गुजरात में सूखा-प्रवण क्षेत्र

@@@1766. **श्री राम सिंह राठवा :** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:—

(क) गुजरात में सूखा-प्रवण क्षेत्र कौन-कौन से हैं ;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान सूखा-प्रवण क्षेत्रों में क्या उपचारात्मक उपाय किए गए हैं और

(ग) इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा गुजरात को कितनी धनराशि प्रदान की गई है

ग्रामीण विकास मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) में राज्य मंत्री (श्री जी० वेंकटस्वामी) : (क) जिन खण्डों में सूखाग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम चलाया जा रहा है, उनके जिलावार नाम संलग्न विवरण में दर्शाए गए हैं (नीचे देखिए) ।

(ख) सूखाग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम को सूखे के प्रभाव को कम करने तथा सूखे को रोकने के लिये हालात पैदा करने और सूखा से प्रभावित क्षेत्रों में परिस्थितिक सन्तुलनों को बहाल करने के लिए कार्यान्वित किया जाता है । कार्यक्रम के कार्यान्वयन में तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों की गतिविधियों पर बल दिया जाता है । ये गतिविधियां हैं—भूमि संसाधनों , जल संसाधनों तथा वन एवं चारागाह संसाधनों का विकास । पिछले तीन वर्षों के दौरान गुजरात में इन तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्राप्त हुई भौतिक उपलब्धियां नीचे दर्शाई गई हैं :—

(00 हैक्टेयर में)

वर्ष	भूमि संसाधन विकास	जल संसाधन विकास	वन तथा चारागाह
1989–90	47.20	20.10	33.72
1990–91	64.35	22.01	33.70
1991–92	45.94	20.86	31.25
योग	157.49	62.97	98.67

(ग) केन्द्र सरकार द्वारा गुजरात को 1989–90 के दौरान 373.00 लाख रुपये, 1990–91 के दौरान 362.78 लाख रुपये तथा 1991–92 के दौरान 371.77 लाख रुपये की राशि उपलब्ध कराई गई थी । इसके अलावा, 1991–92 के दौरान केन्द्र द्वारा राज्य को 33.00 लाख रुपये का अतिरिक्त अनुदान भी दिया गया था।

@@@पूर्वतः अतारांकित प्रश्न 782, 27 नवम्बर, 1992 से स्थानान्तरित ।

विवरण

सूखाग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम के अन्तर्गत कवर किए गए खण्ड

सूखाग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम	जिले	खण्ड
	1. अहमदाबाद	1. धंधुका
		2. वीरमगाम
	2. अमरेली	1. बाबरा
		2. धारी
		3. जाफराबाद

सूखाग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम	जिले	खण्ड
		4. खम्भा
		5. कुनकावत
		6. लाथी
		7. लिलिया
		8. राजूला
	3. भावनगर	1. गाधदा
		2. गरियाधर
		3. सावर कुंडला
	4. जामनगर	1. कल्याणपुर
		2. द्वारिका
	5. कच्छ	1. अबदासा
		2. अंजर
		3. भाचव
		4. भुज
		5. लखापत
		6. नखातरम
		7. रापड़
	6. पंचमहल	1. डोहद
		2. गोधरा
		3. झालोड
		4. लिम्भेडा
		5. लुनावाडा
		6. संतराम पुर
		7. शेहरा
	7. राजकोट	1. जासदन
		2. लोधिका
		3. मालिया
		4. पठारी
		5. वंकानेर
	8. सुरेन्द्रनगर	1. चोटिला
		2. दसादा
		3. धारंगधरा
		4. हलवाड़
		5. लाखतर
		6. लिम्बड़ी
		7. मुली
		8. स्याला
		9. वाधवन
योग	8 जिले	43 खण्ड